विदेशी प्रतिनिधि अपने उत्पाद प्रदर्शित करने के साथ प्रदेश के उद्यमियों, निवेशकों और कारोबारियों से सीधे संवाद करेंगे

यूपी ट्रेड शो में छह देशों की तकनीक भी दिखेगी

UP INTERNATIONAL TRADE SHOW 4th Edition
25 से 29 सितंबर 2026

नोएडा, विशेष संवाददाता। ग्रेटर नोएडा स्थित एक्सपो मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक लगने वाले प्रदेश के सबसे बड़े व्यापारिक मेले यूपीआईटीएस-2026 में इस बार विदेशी भागीदारी भी खास आकर्षण का केंद्र होगी। ट्रेड शो में यूपी के अलावा छह देशों की तकनीक भी दिखेगी।

वियतनाम, जापान, सिंगापुर, रूस, ऑस्ट्रिया और बेलारूस को साझेदार देशों के रूप में शामिल किया गया है। छह देशों की भागीदारी वाला यह आयोजन उत्तर प्रदेश के उत्पादों और उद्यमियों को 'लोकल से ग्लोबल' की अवधारणा के तहत अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने का मंच बनेगा। विदेशी प्रतिनिधि अपने उत्पाद और तकनीक प्रदर्शित करने के साथ प्रदेश के उद्यमियों, निवेशकों और कारोबारियों से सीधे संवाद करेंगे। इससे व्यापारिक साझेदारी, तकनीकी सहयोग और नए कारोबारी अवसरों की संभावनाएं बढ़ेंगी। 36 विदेशी प्रदर्शक और करीब 100 खरीदार शामिल होंगे

वियतनाम और जापान के लिए 54-54 वर्गमीटर, सिंगापुर और रूस के लिए 36-36 तथा ऑस्ट्रिया के लिए 54 वर्गमीटर प्रदर्शनी क्षेत्र तय किया गया है। इन पांच देशों के 36 प्रदर्शक और करीब 100 खरीदार शामिल होंगे। बेलारूस भी साझेदार देश है। बी2बी बैठकें, कंट्री सेशन और राउंडटेबल आयोजित होंगे।

वियतनाम के पवेलियन में एविएशन, पर्यटन, कृषि, फार्मा, कॉस्मेटिक, खाद्य, टेक्सटाइल, गारमेंट, हस्तशिल्प और इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र की कंपनियां हिस्सा लेंगी। वियतनाम एयरलाइंस समेत अन्य कंपनियां उत्पाद प्रदर्शित करेंगी। इससे प्रदेश के उद्यमियों को एविएशन, पर्यटन, फार्मा, कृषि, टेक्सटाइल और ई-मोबिलिटी क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय कारोबार की संभावनाएं तलाशने का अवसर मिलेगा।

जापान के पवेलियन में तकनीक और औद्योगिक उत्पादों की प्रस्तुति होगी। वार्कॉम इंडिया, एयर एंड वॉटर इंडिया, आईटीओ एन, सुशी एंड मोर, कीटो इंडिया और टाइयो इंडिया जैसी कंपनियां औद्योगिक गैस, जापानी खाद्य, चाय, लिफ्टिंग इक्विपमेंट और मशीनरी स्पेयर पार्ट्स प्रदर्शित करेंगी। जेट्रो निवेश और प्रमोशन नीतियों की जानकारी साझा करेगा। सिंगापुर की कंपनियां वीडियो सर्विलांस, सोल्डरिंग उपकरण और शिक्षा उत्पादों के साथ हिस्सा लेंगी। रूस से पेट्रोकेमिकल्स, औद्योगिक गैस, प्रयोगशाला उपकरण, डायग्नोस्टिक किट और ऑक्सीजन सॉल्यूशन से जुड़ी कंपनियां आएंगी। ऑस्ट्रिया की कंपनियां फोर्कलिफ्ट, वर्कशॉप इक्विपमेंट, इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन, लाइटिंग और मोबिलिटी-ट्रांसपोर्ट सिस्टम प्रदर्शित करेंगी।

छात्रों के लिए स्पर्धाओं का आयोजन : ट्रेड शो में छात्रों के लिए क्विज और 'बैटल ऑफ द बैंड्स' प्रतियोगिता आयोजित होगी। सोमवार को डीएम मेधा रूपम ने तैयारियों की समीक्षा कर स्कूल-कॉलेजों की भागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए। विद्यार्थियों को विभिन्न टास्क दिए जाएंगे और पूरा करने पर ट्रेड एक्सपो पासपोर्ट मिलेगा। करियर काउंसलिंग सत्र और करियर विकल्पों से जुड़े स्टॉल भी होंगे।

ग्रेटर नोएडा स्थित एक्सपो मार्ट में सबसे बड़े व्यापारिक मेले का आयोजन होगा।

कृषि कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय मंच मिलेगा

कृषि विभाग के समन्वय से प्रदेश के विभिन्न जिलों के एफपीओ और संस्थाएं प्रदर्शनी में शामिल होंगी। यहां एफपीओ के 20, कृषि निवेशों से जुड़ी 40 और एक शासकीय समेत कुल 61 स्टॉल लगाए जाएंगे। इससे प्रगतिशील किसानों और कृषि कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों से संपर्क का अवसर मिलेगा।

बी2बी बैठकों से कारोबारी साझेदारी की संभावनाएं बढ़ेंगी

यूपीआईटीएस में बी2बी बैठकें प्रदेश के उद्यमियों और विदेशी कारोबारियों को सीधे जोड़ेंगी। यहां उत्पाद प्रदर्शन के साथ कारोबारी साझेदारी पर चर्चा होगी। वियतनाम के लिए 'इनोवेशन टेक्नोलॉजीज एंड टूरिज्म' और ऑस्ट्रिया के लिए 'लेवरेजिंग इंडियाज फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स फॉर ग्लोबल बिजनेस ग्रोथ' विषय पर सत्र प्रस्तावित हैं।

मुख्यमंत्री के साथ संवाद से उद्योग जगत जुड़ेगा

25 सितंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ विदेशी प्रतिनिधिमंडलों के विशेष संवाद सत्र होंगे। इनमें वियतनाम, जापान, सिंगापुर, रूस, ऑस्ट्रिया और बेलारूस के राजदूत, हाई कमिश्नर, ट्रेड कमिश्नर और उद्योग प्रतिनिधि शामिल होंगे। जापान के राजदूत केइची ओनो, सिंगापुर के हाई कमिश्नर साइमन वोंग समेत अन्य प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

स्थानीय उत्पादों को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय संपर्क

यूपीआईटीएस के जरिए प्रदेश के एमएसएमई, पारंपरिक उद्योग और स्थानीय उत्पादों को विदेशी खरीदारों से जोड़ने का प्रयास होगा। विभिन्न जिलों के हस्तशिल्प, टेक्सटाइल, कृषि उत्पाद, खाद्य प्रसंस्करण और विनिर्मित वस्तुओं को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा। स्थानीय उद्यमी विदेशी खरीदारों और कारोबारियों से सीधे संवाद कर सकेंगे।